

उ०प्र० माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज-211002

पाठ्यक्रम

प्रशिक्षित स्नातक

विषय-संगीत वादन (13)

अवनद्ध

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या:-
ताली, खाली, आवर्तन, विभाग, तिहाई, पेशकारा, कायदा, गत, टुकड़ा, मुखड़ा, परन, रेला, स्वर, श्रुति, सप्तक, थाट, संगीत, ताल, लय, ठेका, मात्रा, सम।
2. संगीत का इतिहास।
3. तीनताल, झपताल, एकताल, आड़ाचारताल, पंचमसवारी, रूपक, चारताल, सूलताल, तीवरा, धमार, गजझम्पा, लक्ष्मी, शिखर, ब्रह्म, दीपचन्दी, जत, तिलवाड़ा, झूमरा, कहरवा एवं दादरा, इन तालों का परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ (3/2) की लयकारी में ताललिपिबद्ध करने क्षमता।
4. दिए गए बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की क्षमता।
5. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
6. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
7. वाद्य को मिलाने की विधि का ज्ञान।
8. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनकी वादन शैली की विशेषताओं का अध्ययन।
9. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर पलुस्कर ताललिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
10. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
11. कायदा, पेशकारा, टुकड़ा, परन, तिहाई, आदि बोलों को ताललिपि में लिखने का ज्ञान।
12. पं० भैरव सहाय, नाना साहब पानसे, पं० कण्ठे महाराज, उ० अल्लारखा खां का जीवन परिचय तथा संगीत में योगदान।

तन्त्र

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या:-
संगीत, स्वर (शुद्ध एवं विकृत), आलाप, धाट राग, आरोह, अवरोह, सम, वादी, संवादी, पकड़, गत, तोड़ा, जमजमा, लय, ताल, मात्रा, ठेका, गमक, जवारी, तरब, जोड़ आलाप।
2. संगीत का इतिहास।
3. राग यमन, भैरव, खमाज, बिलावल, भूपाली तथा आसावरी का पूर्ण परिचय, स्वर विस्तार तथा रागों की गायकी तथा शास्त्रीय अध्ययन।
4. रजाखानी, मसीतखानी गतों को तोड़ों के साथ लिपिबद्ध करने की क्षमता।
5. दिए गए स्वर-समूह के आधार पर राग पहचानने की क्षमता।
6. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
7. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
8. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
9. वाद्य को मिलाने की विधि का ज्ञान।
10. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनकी वादन शैली का अध्ययन।
11. तीनताल, झपताल, एकताल, आड़ाचारताल, रूपक ताल, चारताल, धमार, गजझम्पा, सूलताल, तीवरा- इन तालों का परिचय ठेका तथा दुगुन, तिगुन, चौगुन में लिखने का ज्ञान।
12. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
13. पं० रविशंकर, इनायत खां, पं० बलराम पाठक, उ० मुश्ताक अली खां का जीवन परिचय तथा संगीत में योगदान।